Amaan
राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 351
नागराज
अमेरिका में

सुप्रीम हेड ने आतंकवादियों के लिए भारती का अपहरण किया और उसको हिन्दुस्तान से अफगानिस्तान भेज दिया। नागराज भारती के पीछे अफगानिस्तान जा पहुंचा। उसने अफगानिस्तान को आतंकवाद से मुक्त तो करा दिया लेकिन भारती को न ढूंढ पाया। अब भारती को ढूंढने का एक मात्र रास्ता भारती की कलाई पर बंधी सिग्नल वॉच थी। सिग्नल वॉच के संकेतों ने नागराज को अफ्रीका पहुंचा दिया। नागराज ने अफ्रीका में फैले आतंकवाद को भी जड़ से उखाड़ दिया। लेकिन भारती एक बार फिर उसके हाथों से फिसल गई। नागराज की यात्रा जारी रही और इस बार के चरण में जा पहुंचा है...

नागराज अमेरिका में

संजय गुप्ता की पेशकश

Amaan
एक अंजान स्थान पर-
मास्टर हमारे पास दुनिया के हर कोने से आतंकवादी कमांडरों के मैसेज आ रहे हैं! सभी नागराज के आतंकवाद विरोधी अभियान से घबराए हुए हैं!...
उन चूहों से कहो कि घबराने की जरूरत नहीं है! नागराज का खात्मा जल्दी ही कर दिया जाएगा! अगर मेरा ध्यान भारती कम्युनिकेशंस को हड़पने में न उलझा हुआ होता तो नागराज अभी तक यमलोक पहुंच चुका होता!
लेकिन मास्टर, अब हमारे पास ज्यादा आतंकवादी ठिकाने बचे ही नहीं हैं! हमारा सबसे बड़ा ठिकाना अमेरिका में है! अगर नागराज वहां पर पहुंच गया तो फिर हमारा आतंकवादी नेटवर्क हमेशा के लिए टूट जाएगा!
फिर तो भारती कम्युनिकेशंस जैसे पॉवरफुल मीडिया चैनेल से कोई भी प्रोपेगंडा हमारी मदद नहीं कर पाएगा!
फिर तो एक ही तरीका है! अपने आतंकवादी नेटवर्क को कायम रखने का!
भारती को मरना होगा!
तभी नागराज हमारा पीछा छोड़ेगा!
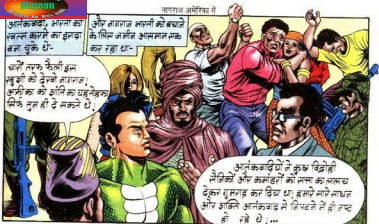
...लेकिन अब हमारा 'यूनाइटेड अफ्रीकन नेशनल काउंसिल' अफ्रीका में प्रगति के एक नए युग की शुरूआत करके खुशहाली की सुबह लाएगा!

हम तुम्हारे लिए कुछ करना चाहते हैं नागराज! बताओ, हम तुम्हारे लिए क्या कर सकते हैं?

मैं आपको बता चुका हूं कि मैं भारती को ढूंढने यहां पर आया था! पर उसे एक हॉट एयर बैलून में यहां से भगा ले जाया गया...

...मैं चाहता हूं कि आप लोग 'एयर ट्रैफिक कंट्रोल' के जरिए उस बैलून की स्थिति का सही-सही पता लगाएं!

जल्दी ही- सबसे पास के एयर कंट्रोल टॉवर में-

हमारे पास ज्यादा आधुनिक यंत्र नहीं हैं नागराज! लेकिन पिछले दो घंटों की 'राडार इमेज रिकॉर्डिंग' से हमने यह अंदाजा लगाया है कि हॉट एयर बैलून अमेरिका की तरफ बढ़ रहा है! इस वक्त उसको अंतर्राष्ट्रीय एयर स्पेस में होना चाहिए! अमेरिका की वायु सीमा के ठीक बाहर!

ओह! मुझको तुरन्त वहां पहुंचना होगा! वर्ना अगर वह बैलून अमेरिका की वायु सीमा में प्रवेश कर गया...

...तो अमेरिकन उसको तुरन्त मार गिराएंगे!

...और बैलून के साथ-साथ भारती भी खत्म हो जाएगी!
बैलून के उड़ने की गति बहुत कम होती है नागराज! क्योंकि वह हवा के बहाव पर निर्भर करती है!
हम तुमको आर्मी हैलीकॉप्टर दे देंगे! जो तुमको बहुत कम समय में बैलून तक पहुंचा देगा!
शुक्रिया!
बैलून तक पहुंचने में नागराज और पोल्का को ज्यादा वक्त नहीं लगा-
वह रहा बैलून, नागराज! और इस हैलीकॉप्टर में लगे स्थिति सूचक यंत्र के अनुसार वह अमेरिका की वायुसीमा में प्रवेश करने ही वाला है!
भारती जरूर बैलून की बास्केट में होगी!
दूरबीन से बास्केट की जांच करो, पोल्का!
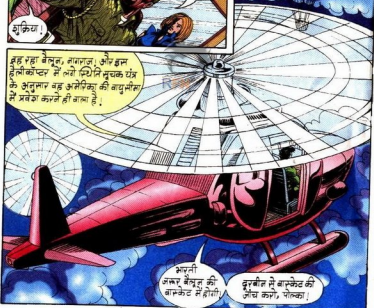
बेलून की बास्केट तो खाली है नागराज!
ये कैसे हो सकता है? मेरे 'ग्लोबल पोजिशनिंग-फाइंडर' पर सिग्नल तो यहीं से आ रहे हैं!
तो फिर मैं बास्केट में खुद जाकर देखती हूं! कहीं भारती नीचे बेहोश न पड़ी हो!
रुको पोल्का! यूं अपनी जान खतरे में मत डालो!
लेकिन पोल्का खतरा पहले ही मोल ले चुकी थी-
जल्दी ही पोल्का, बास्केट के अंदर खड़ी थी-
यहां तो सिर्फ बर्नर है, कुछ रस्सियां हैं और, आलतू-फालतू सामान है! पर भारती कहीं नहीं है!
तो फिर ये सिग्नल कहां से आ रहे हैं?
सिग्नल यहां से आ रहे हैं!

Amaan
क्योंकि भारती यहां है! जमीन से चार किलोमीटर ऊपर! और मेरे एक ही इशारे पर इसका बदन, जमीन की तरफ रवाना हो जाएगा...
...अगर भारती को जिन्दा रखना चाहते हो तो वापस लौट जाओ! समय आने पर भारती को सही-सलामत वापस पहुंचा दिया जाएगा!

उसी अज्ञात स्थान पर-
आपकी तरकीब काम आ गई मास्टर! उड़ाका ने भारती को मारने का डर दिखाकर नागराज को अमेरिका पहुंचने से रोक दिया है!
अब आप फटाफट 'ऑपरेशन नेस्तनाबूद' को पूरा कर डालिए! नागराज का कोई भरोसा नहीं है!
सही कह रहा है तू! नागराज नाम की मुसीबत कब सिर पर टूट पड़े इसका कोई भरोसा नहीं है! वैसे तो यह ऑपरेशन दो हफ्तों बाद होना था! लेकिन हम ऑपरेशन को आज ही बल्कि अभी पूरा करना होगा!
मुझे तैयारी करनी है! मुझे डिस्टर्ब मत करना!
आज दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश पर आतंकवाद का सबसे भयानक हमला होगा!
आज के बाद आतंकवाद जब कहीं भी अपना सिर उठाएगा, लोग थर-थर कांपेंगे! दुनिया आतंकवाद के आगे सिर झुकाएगी!
और फिर दुनिया पर राज होगा...
धमम
...आपका!
ऑपरेशन शुरू करने की इजाजत दीजिए!
इजाजत है!

विस्तृत रूप से जानने के लिए पढ़ें : काली मौत

हम भारती को आजाद कराकर ही रहेंगे पोल्का!
पर कैसे? हमारे पास पहुंचते ही उड़ाका, भारती को ही उड़ा देगा!
ऐसा नहीं होगा!
मेरे पास एक प्लान है!
सुनो!
उड़ाका ने इस जंग का पहला दौर जीत लिया था-
यकीन नहीं होता! नागराज इतनी आसानी से भाग गया! वैसे भी भागता नहीं तो उड़ाका के सामने ज्यादा देर तक टिक नहीं पाता...
... अब थोड़ी देर तक रुककर अगले ऑर्डर का इंतजार करता हूं!
और उड़ाका को आराम से सांस लेने का मौका मिल गया-
आSSSS
हेलीकॉप्टर, बादलों के बीच में ओझल हो गया-
तभी-
अरे! ये... ये तो बम है, जो भारती के बदन पर बंधा था!
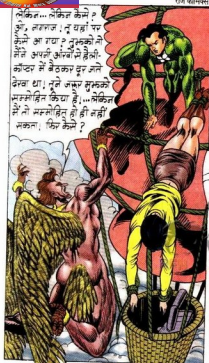
Amaan
लेकिन... लेकिन कैसे? ओ, नागराज! तू यहां पर कैसे आ गया? तुझको तो मैंने अपनी आंखों से हैलीकॉप्टर में बैठकर दूर जाते देखा था! तूने जरूर मुझको सम्मोहित किया है!... लेकिन मैं तो सम्मोहित हो ही नहीं सकता! फिर कैसे?
तू अपनी चोंच को आराम दे तो मैं कुछ बोलूं! यहां तक चुपचाप पहुंचने में घने बादलों ने मेरी मदद की!
दूर जाकर बादलों में ओझल होते ही मैंने हैलीकॉप्टर को वापस इसी दिशा में घुमा लिया था! बादलों के कारण ये बैलून नजर तो नहीं आ रहा था...
...लेकिन भारती की घड़ी से निकलते सिग्नलों ने मुझको सही स्थान पर पहुंचा दिया! मैंने हैलीकॉप्टर को बैलून के नीचे घने बादलों के बीच में रोक दिया, और इच्छाधारी कणों में बदलकर बैलून तक पहुंच गया!
और भारती के बदन से बम को अलग कर दिया! और ऐसा करके तू ये समझा कि तू जीत गया!

लेकिन ये तेरी भूल है! भारती के बदन के चिथड़े तो हर हाल में उड़ने हैं। बम के विस्फोट से नहीं तो जमीन से टकराकर ही सही!
अरे! इसके परों से छूटने पंखों में तो गोली की सी स्पीड और ब्लेड जैसी धार है! भारती को थामने वाली रस्सी कट गई है!
लेकिन मैं भारती को जमीन से टकराने नहीं दूंगा।
मैं बचाऊंगा उसे!
पहले तू खुद तो बच ले!
तुम इसको रोककर रखो नागराज!
भारती को बचाने मैं जा रही हूं!
तू किसी को भला क्या बचाएगा नागराज?
हैलीकॉप्टर तेजी से नीचे गिरती भारती की तरफ गोता लगा गया-

और बादलों की धुंध में अदृश्य हो गया-
पोल्का किसी न किसी तरह से भारती को बचा ही लेगी! फिलहाल मुझको अपना ध्यान उड़ाका से निपटने में लगाना चाहिए! क्योंकि इसके तेज धार वाले पंख मेरी बोटी-बोटी अलग कर सकते हैं!
इसकी ताकत इसके पर हैं! परों के खत्म होने से ये खुद भी खत्म हो जाएगा!
ध्वंसक सर्प चले तो थे उड़ाका के परों की धज्जियां उड़ाने के लिए-
लेकिन परों के हिलने से चली हवा के बवंडर ने-
ध्वंसक सर्पों का रुख भी बदल दिया-
और निशाना भी-

आऽऽऽह! ये तो सर्पों को अपने पास तक पहुंचने ही नहीं दे रहा है! मेरी विषफुंकार भी काम नहीं आएगी! सम्मोहित ये हो ही नहीं सकता!

फिर तो एक ही रास्ता बचता है!...

... शीतनाग!

मैं सोच ही रहा था कि तुम मुझे कब बुलाओगे!

उड़ा का आजाद हो चुका है।
पर कैसे? मेरी बर्फ से तू आजाद कैसे हो गया? कैसे पिघलाई तूने मेरी बर्फ?
बर्फ पिघली नहीं है। मेरी गुलाम चिड़ियों ने चोंचे मार-मारकर तेरे बर्फीले खोल को तोड़ डाला है!...
...और अब यही चिड़िया तुमको भी मौत के घाट उतारेगी! तुमको आकाश में लटकाने वाले आधार इस गुब्बारे की हवा निकालकर!
अब तू नीचे गिरेगा! और नीचे फैले प्रशांत महासागर की चट्टानों में तेरी कब्र बन जाएगी!
आऽऽऽह! हम तेजी से नीचे गिर रहे हैं! कुछ करो नागराज!
घबराओ मत शीतनाग!
तुम मेरे शरीर में प्रविष्ट हो जाओ!

मैं सर्पों का पैराशूट बनाकर सुरक्षित नीचे उतर जाऊंगा!
मैं तुम्हे नीचे सुरक्षित उतरने दूंगा तब न!
ओह! इसने सर्पों को काट डाला! अब तो सुरक्षित नीचे उतरने का एक ही रास्ता है!
उड़ाका को ही अपनी सवारी बनाना पड़ेगा!
लेकिन ये रास्ता जिन्दगी की तरफ नहीं, मौत की तरफ जाता है! क्योंकि ऐसा करके तू मेरे धारदार पंखों की मार की सीमा में आ जाएगा!
मुझे पता था कि तेरे सामने एकमात्र रास्ता यही बचेगा!

में जरा सा और इसके पास होता तो इसका पर किसी बड़ी सी धारदार तलवार की तरह मेरी पूरी कमर ही काट डालता।
इस पर सवारी करने का विचार त्यागना पड़ेगा! अब मुझको अपनी इच्छाधारी ऊर्जा को खर्च करना पड़ेगा!
इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करने से मेरा कणों में बंटा शरीर हवा में ही रुक जाएगा, और फिर तभी गिरेगा जब मैं तीन सेकंडों के बाद सामान्य रूप में आऊंगा!
इस तरह से मैं इच्छाधारी कणों में बार-बार बदलता हुआ रुक-रुक कर गिरता रहूंगा और जब मैं समुद्र की सतह से टकराऊंगा तो कोई खास नुकसान नहीं होगा!
नुकसान सिर्फ इतना होगा कि जल्दी जल्दी इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करने से मेरी शक्ति पर जोर पड़ेगा और वह कम होती जाएगी!
ओह! तू बार-बार कोई नई तरकीब सोचकर बचने की कोशिश कर रहा है! लेकिन उड़ाका तुझे सफल नहीं होने देगा!
नागराज के सामान्य रूप में वापस आते ही उसके शरीर पर परों के बारीक बालों के धागों से बुनी एक पर्त तेजी से चढ़ने लगी-
ओह! ये क्या चिड़िया के घोंसले की तरह मेरे शरीर के चारों तरफ तेजी से एक खोल बिनता जा रहा है!

कहानी 19 पेज से जारी

परों के बालों से बने मजबूत धागे ने नागराज के शरीर को जल्दी ही एक एयरटाइट खोल में कैद कर दिया-
ओह! इस खोल में तो सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है! और बदन से चिपका होने के कारण मैं इसको तोड़ भी नहीं पा रहा हूं!
इच्छाधारी कणों में बदलने का अब कोई फायदा नहीं है! क्योंकि अब वे कण जब तक फैलेंगे नहीं तब तक हवा में तैर नहीं सकेंगे! अब क्या करूं! पहले तो हवा में लटकने के लिए हॉट एयर बैलून का सहारा था! लेकिन अब तो वह भी... ओ! शायद वही बैलून मेरी मदद कर सके! लेकिन मैं तो बैलून को देख तक नहीं सकता! याद आया! बैलून पर मेरे वे सर्प अभी तक लटके हुए हैं जिनकी सर्प रस्सी बनाकर मैंने भारती को बचाने की कोशिश की थी!
हा हा हा! और इसके पार तू देख भी नहीं पाएगा! तुझको तो ये भी पता नहीं चलेगा कि मौत कब तुझ तक पहुंच गई है!
वे सर्प देख सकते हैं! और मानसिक संकेतों के जरिए वे दृश्य मेरे मस्तिष्क तक पहुंचाकर मुझको भी दिखा सकते हैं!
अरे! ये नागराज अपनी गिरने की दिशा बदल रहा है! हवा में 'स्काई डाइवरों' की तरह तैरकर उस गिरते गुब्बारे की तरफ जा रहा है! हा हा हा!
डूबते को तिनके का सहारा होता है! मरता हुआ नागराज गिरते हुए गुब्बारे को पकड़कर बचने की कोशिश कर रहा है! हा हा हा!
लेकिन... लेकिन ये देख कैसे पा रहा है कि बैलून उस तरफ है?
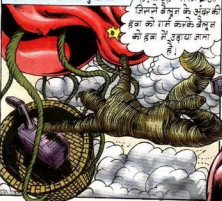
नागराज न सिर्फ अपने सांप की नजरों से देख पा रहा था, बल्कि उसके दिमाग में एक योजना भी बन चुकी थी-
ये रही वह चीज जिसकी मुझको जरूरत है!... वह 'फ्लेम थ्रोअर' जिससे बैलून के अंदर की हवा को गर्म करके बैलून को हवा में उड़ाया जाता है!
आहा! नागराज टोकरी को पकड़ नहीं पाया!
उसके हाथ में सिर्फ 'फ्लेम थ्रोअर' आया है! पर... पर...
... ये 'फ्लेम थ्रोअर' को लेकर मेरी तरफ क्यों आ रहा है?
उड़ाका के संभलने से पहले ही 'फ्लेम थ्रोअर' में भरे ईंधन की फुहार उसके परों पर जम चुकी थी-
और 'फ्लेम थ्रोअर' के बचे-खुचे ईंधन ने सुलगकर उड़ाका के परों को लपटों में घेर लिया था
ओsss ओsss

उड़ने के लिए परों को हिलाना जरूरी था, और परों के हिलने के साथ-साथ लपटें और तेज होती जा रही थीं-
अरे, बचाओ! मुझे बचाओ!
तुमको बचाने या न बचाने के बारे में बाद में सोचूंगा! पहले लपटों से इस खोल को जलाकर आजाद हो लूं, जो तेरे ही परों के रेशों से बना है!
हुंssss अब मैं सोच रहा हूं कि तुमको... नहीं बचाऊं!
तुमको अब तेरे पर नहीं, सिर्फ तेरी जुबान जिन्दा रख सकती है! अब अपनी जुबान का इस्तेमाल कर, और मुझको फटा-फट बता कि भारती के अपहरण के पीछे किसका हाथ है, और वह अपहरण-कर्ता मुझको कहां मिलेगा!
तेरे पास यह बताने के लिए सिर्फ एक मिनट और बीस सेकंड हैं! उसके बाद तू पानी से टकराएगा और...
ओ, समझा! तब तो अच्छा है कि तू शांति से मरे! पानी या चट्टानों से टकरा कर! मैं तो चला! भगवान तेरी आत्मा को शान्ति दे!
नहीं... नहीं! ऐसा मत करना! मैं मरना नहीं चाहता! अभी तो मुझे बहुत जीना है!
मैंने मुंह खोला तो वे मुझको जिन्दा नहीं छोड़ेंगे! मार डालेंगे मुझको बेदर्दी से!
नहीं! रुको! सुनो! बताता हूं! बताता हूं!

ग्रैंड कैनियन अमेरिका का एक पर्यटन स्थल है जो दक्षिणी कैलीफोर्निया के मोजेब शहर के उत्तर में स्थित है।

जो रही पोल्का! वह डूब रही है! मैं अभी उसको सर्प नौका बनाकर बचाता हूं!
जल्दी ही-
ओ, नागराज! आई एम सो सॉरी! सुबुक! मैं भारती को बचा नहीं पाई!
बचा नहीं पाई? यानी भारती...
नहीं, नहीं भारती मरी नहीं जिन्दा है! मैंने उसको गिरते-गिरते भी हेलीकॉप्टर के अंदर खींच लिया था, लेकिन...
लेकिन क्या पोल्का?
ओ! मेरी 'सर्प इंद्रिय' खतरे को भांप रही है! कुछ गड़बड़ है!
कूदो पोल्का! उड़ाका बचो!
नागराज और पोल्का तो पानी में कूद गए-
लेकिन उड़ाका की किस्मत में और जीना नहीं लिखा था-
ये हमला तो रॉकेटों द्वारा किया जा रहा है! और रॉकेटों को काफी दूर से सही निशाने पर दागा जा सकता है! यानी हमलावर हमसे काफी दूर है!

इन्होंने हैलीकॉप्टर को भी तबाह कर डाला है! भारती को बचाते वक्त मुझे समुद्र में खड़ी ये स्टीम बोट दिखी थी! लेकिन मेरे संभलने से पहले ही इन्होंने हैलीकॉप्टर पर रॉकेट दाग दिया!

लेकिन उड़ाका मुझे पहले ही इनके अड्डे का पता बता चुका है! मुझे यकीन है कि भारती भी हमको वहीं पर ही मिलेगी!

तो फिर देर क्यों करनी नागराज? चलो! एक पल की देरी भी भारती की जान के लिए खतरा बन सकती है!

आतंकवादियों की नजरों से बचने के लिए हमको सामान्य नागरिकों की तरह सफर करना होगा पोल्का! हम कैलीफोर्निया के लिए न्यूयॉर्क से फ्लाइट पकड़ेंगे! क्योंकि न्यूयॉर्क फिलहाल सबसे पास का शहर है!

तुमने ठीक सोचा है नागराज!

इसी वक्त- किसी अत्यन्त गुप्त स्थान पर-
मास्टर! एक बुरी खबर है! नागराज बच गया है, और अब वह न्यूयॉर्क की तरफ ही बढ़ रहा है!
अब नागराज तो क्या, खुद ऊपर वाला भी हमारे 'ऑपरेशन नेस्तनाबूद' को रोक नहीं सकता! नागराज भी इस विनाश को वैसे ही दर्शक बनकर देखेगा, जैसे पूरी दुनिया में फैले दूसरे अरबों मामूली इंसान। मौत के परकाले हवा में उड़ चुके हैं!
मौत के परकाले हवा में उड़ान भर रहे थे-
फ्लाइट नंबर W2 239 पर आप सभी यात्रियों का स्वागत है! ये फ्लाइट न्यूयॉर्क से मोजेब तक का सफर दो घंटे चालीस मिनट में पूरा करेगी! अब आप अपनी सीट की बेल्टें खोल सकते हैं!
और हमारी मेहमाननवाजी का लुत्फ उठा सकते हैं! जल्दी ही आपको ब्रेकफास्ट सर्व किया जाने वाला है!
ओ! अभी भी ढाई घंटे और हैं! लेकिन चलो, बड़ी मुश्किल से एक सीट तो मिली! पोल्का अगली फ्लाइट से आकर मुझसे मिल लेगी!
अभी काफी समय है! तब तक मैं थोड़ा आराम कर लेता हूं!

नागराज की झपकी अपने सहयात्री की आवाज से खुली-
ये क्या चक्कर है?
क्या हुआ?
अब तक तो हमको न्यूयॉर्क से कम से कम सौ मील दूर होना चाहिए था! लेकिन हम तो अभी तक न्यूयॉर्क के ऊपर ही चक्कर काट रहे हैं!
शायद किसी गड़बड़ी की वजह से पायलट विमान को वापस न्यूयॉर्क लाकर उतारना चाहता है!
ऐसा होता तो विमान को एयरपोर्ट की तरफ ही जाना चाहिए था, पर ये तो दूसरी तरफ जा रहा है!
उधर एक और विमान इसी तरह से उड़ रहा है! और वह भी एयरपोर्ट के बजाय वर्ल्ड ट्रेड टॉवर की तरफ बढ़ रहा है! जरूर कुछ गड़बड़ है!... एयर होस्टेस भी कहीं नजर नहीं आ रही है! मैं अभी पायलट से पूरी बात पता करके आता हूँ!
चुपचाप बैठ जाओ! इस विमान का अपहरण किया जा चुका है!
ओ माई गॉड! ओ माई गॉड! ये... ये मैं कहां फंस गया!
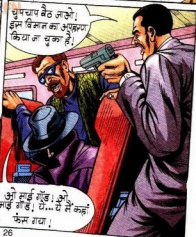
देखा भाई साहब आपने! मैं... मैं कह रहा था कि कुछ गड़बड़ जरूर है। ये जरूर आतंकवादियों का काम है। और अब ये हमारी जान के बदले अमेरिकी सरकार के सामने जरूर कोई बड़ी डिमांड रखेंगे।
आप कुछ बोलते क्यों नहीं? मैं डर से थर... थर... थर कांप रहा हूं। और आप...
... आप आराम से सो रहे हैं। अरे! ये... तो सिर्फ कपड़े हैं।
वो आदमी कहां गया?
कौन आदमी कहां गया?
वही... जो... जो अभी मेरे पास बैठा था। कपड़े छोड़ गया और गायब हो गया।
हमें बेवकूफ बनाता है। चाल चल कर हमारा ध्यान बंटाना चाहता है।
बैठ जा चुपचाप वर्ना खोपड़ी फोड़ दूंगा।
नागराज हरकत में आ चुका था-
इच्छाधारी कणों में बदलकर मैं चुपचाप यहां तक तो आ गया।
लेकिन यहां से कॉकपिट जाने वाला रास्ता बंद है। जरूर कैप्टेन के साथ भी कुछ आतंकवादी हैं।...
... लेकिन उनका मकसद क्या... है देव कालजयी! तो ये है इनका मकसद!

ये उस यात्री वायुयान का प्रयोग एक विशाल मिसाइल की तरह कर रहे हैं! बहुमंजिली इमारत को नष्ट करने के लिए! इस प्लेन का भी यही इस्तेमाल किया जाएगा!
मैं उस प्लेन के यात्रियों को बचाने के लिए तो कुछ नहीं कर पाया, लेकिन इस प्लेन को मैं हथियार नहीं बनने दूंगा!
लेकिन इस प्लेन को कंट्रोल करने वाले आतंकवादी कॉकपिट में हैं! अगर मैं दरवाजा तोड़कर उन तक पहुंचा तो गड़बड़ हो सकती है! कोई ऐसा तरीका काम में लाना होगा, जिससे मैं आतंकवादियों को रोक सकूं! और वह भी जल्दी! इस रफ्तार से ये प्लेन पांच मिनट के अंदर किसी न किसी इमारत से जा टकराएगा!

मुझे इमारतों में मौजूद लोगों की जानें भी बचानी हैं, और इस वायुयान में बैठे लोगों की भी!
प्लेन के अंदर तीन आतंकवादी मुझको नजर आ रहे हैं! इनको बगैर समय गंवाए यात्रियों से दूर करना होगा! और ऐसा करने का एक ही रास्ता है!...
...इनके सामने आ जाना!
नागराज!
नागराज यहां पर!
नागराज!
कोई चालाकी करने की या कोई भी नागशक्ति यूज करने की कोशिश मत करना!
ओ! यानी तुम लोग मेरे बारे में भी जानते हो, और मेरी शक्तियों के बारे में भी!
दुनिया का हर अपराधी और आतंकवादी तुमको जानता है और तुमसे थर-थर कांपता भी है! पर हम नहीं!
क्योंकि हम यहां पर मरने के लिए ही आए हैं!
देखो! हमारे शरीर पर बम बंधे हैं! अब आगे बढ़ो! हमला करो और हमारे साथ इन पांच सौ यात्रियों को भी मार डालो!...
...लेकिन अगर इनको बचाना है तो तुम इनको बचा सकते हो! हमारा एक काम करके!
काम बोलो!

बाहर कूद जाओ! इस इमर्जेंसी डोर के रास्ते से!
जरूर कूदूंगा...
...लेकिन तुम लोगों के बाद!
तीनों आतंकवादियों के पैरों से चुपचाप लिपट चुकी सर्प रस्सी तीनों को खींचती चली गई-
और-
कॉकपिट में आतंकवादी अपना काम जारी रखे हुए थे-
एक इमारत को हमारे आत्मघाती दस्ते ने निशाना बना लिया है!
अब हमको दूसरे टॉवर को गिराना है! प्लेन को सीधे उस टॉवर की तरफ ले चलो!
तुम लोग थोड़ी देर तक इस बंजी जंपिंग का मजा लो तब तक मैं कॉकपिट में मौजूद तुम्हारे साथियों से निपट लेता हूं!
कैसे ले चलूं? विंड स्क्रीन पर न जाने कहां से गंदगी आ रही है!
ये गंदगी नहीं है! ये तो सांप है!
सांप! यानी... नागराज इस प्लेन पर है!

Amaan
सामने कुछ भी नजर नहीं आ रहा! और ऐसी परिस्थिति में राडार भी बेकार है! पता नहीं हम टॉवर की तरफ जा भी रहे हैं या नहीं!
गुड! इनको मैं बिल्डिंग से दूर तो ले आया हूँ! अब इनको काबू में करना बाकी है!
ये विंड स्क्रीन से सांपों की पर्त हटाने के लिए जरूर कुछ न कुछ करेंगे, और वही मेरे लिए इनको काबू में करने का मौका होगा!
ओ ऽऽऽ ह!
गोलियों से चकनाचूर हुई विंड स्क्रीन-
एक धक्के से हवा में तैर गई-
और नागराज के कुछ भी कर पाने से पहले ही-

प्लेन, दूसरे टॉवर के अंदर-
आ
ऽऽऽऽ

-घुस चुका था।
कड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़ड़मम

हा हा हा! हम कामयाब हो गए! नागराज के रोकने के बावजूद भी हमने दूसरे टॉवर को भी नष्ट कर दिया!

हा हा हा!... पर... पर अगर प्लेन टॉवर में घुस चुका है...

...तो हम जिन्दा कैसे हैं?
मैं बताता हूँ!

नागराज! लेकिन तुम तो... तुम तो...
जो कुछ तुमने देखा, वह सिर्फ तुम्हारे दिमाग में घटा था असलियत में नहीं!

कहानी 35 पेज से जारी

तुमने जो देखा, वह मेरे सम्मोहन का नतीजा था! तुमने जैसे ही विमान की विंड स्क्रीन तोड़ी, वैसे ही तुम्हारी आंखें मेरी आंखों से मिलीं; और मैंने तुमको सम्मोहित कर दिया! फिर तुमने वही देखा जो तुम देखना चाहते थे!
और इस दौरान मैं कॉकपिट के अंदर आ गया!
और अब मैं तुमको वह दिखाऊंगा जो मैं देखना चाहता हूं! तुम आतंकवादियों की जेल के अंदर!
धड़ाक
सभी आश्चर्यचकित थे-
कमाल है! टॉवर की तरफ जाता हुआ प्लेन एकाएक दूसरी तरफ मुड़ गया! आतंकवादियों ने भला ऐसा क्यों किया?
आतंकवादी तो खुद प्लेन के बाहर लटके हुए हैं! ये काम तो किसी और का है! किसी सुपर हीरो का!
इस कारनामे ने नागराज का नाम हर अमेरिका वासी की जुबान पर ला दिया था-
आपने तो अमेरिका का दिल जीत लिया है! हर अमेरिकन आपके बारे में जानना चाहता है!
आपने ये करिश्मा किया कैसे?
एक मिनट, एक मिनट! मीडिया तक सारी जानकारियां पहुंचा दी जाएंगी!

फिलहाल सी. आई. ए. को नागराज से कुछ जरूरी मालूमात हासिल करनी है!

और फिर-

हमें गिरफ्तार आतंकवादियों से कड़ी पूछताछ के बाद भी कोई सुराग नहीं मिला है! या तो वे कुछ जानते नहीं हैं या फिर हमें उन पर थर्ड डिग्री आजमानी पड़ेगी!

इसीलिए हम यह जानना चाहते हैं कि तुमको इनके बारे में कुछ और पता है या नहीं!

इनसे तो मुझको कुछ पूछने का मौका नहीं मिला! लेकिन एक दूसरे आतंकवादी उड़ाका ने मुझको इनका अड्डा, ग्रैंड कैनियन में होने का पता बताया था!

गुड! अब हम आतंकवादियों के अड्डे को घेरकर उनको तबाह कर देंगे!

और फिर-

तुमने सी. आई. ए. वालों को आतंकवादियों के अड्डे के बारे में क्यों बताया?

अगर भारती भी वहां पर हुई तो उसकी जान खतरे में पड़ जाएगी!

उनको यह जानकारी देना मेरा फर्ज था! मैंने उनको आतंकवादियों के अड्डे का सिर्फ स्थान बताया है! अड्डे की पहचान नहीं! अब अमेरिकी सैनिकों के वहां पहुंचने से पहले ही हमको भारती को वहां से सुरक्षित निकाल लेना है!

मुझे तो तुम दोनों या तो सनकी लगते हो या दो नंबर का काम करने वाले! लेकिन जरा संभल कर रहना!

इस सुनसान इलाके में खतरा आदमियों से नहीं है सांपों से है! सुना है कि इस इलाके में आदम-कद सांप रात को घूमते हैं! और उनके सामने अमेरिकन मिलिट्री तक फेल है!

ये तो नई बात बता गया! ये जरूर इच्छा-धारी सांपों का जिक्र कर रहा था!

पर इसकी बात मुझको और उलझन में डाल गई! अभी तक मुझको लग रहा था कि इन आतंकवादियों का सुप्रीम बॉस खतरनाक वैज्ञानिक है जो रोबॉटो और म्यूटैंट प्राणियों के जरिए आतंकवाद को शह दे रहा है!

हो सकता है कि इन आतंकवादियों का सरगना कोई एक व्यक्ति न हो, दो लोगों की जोड़ी हो!

नहीं पोल्का! अपराध की दुनिया में शहंशाह सिर्फ एक ही होता है! दो नहीं!

खैर, ये तो हमको आतंकवादियों के मुख्य अड्डे तक पहुंचकर पता चल ही जाएगा! पर इस अंधेरे में उस पहचान को ढूंढेगी कैसे, जो आतंकवादियों की गुफा के बाहर है!

शैतान के सिर की आकृति सी चट्टान!

लेकिन ऐसा कोई भी शख्स इच्छाधारी सांपों को काबू में नहीं कर सकता है!

ऐसा कौन सा शख्स है जो ये दोनों काम एक साथ कर सकता है?

मैंने टैक्सी से उतरते ही अपने सर्पों को इस पूरे इलाके में फैला दिया है पोल्का! वे अंधेरे में सब कुछ देख सकते हैं! जल्दी ही हमको उस जगह का पता चल जाएगा!

चल गया! एक जासूस सर्प के मानसिक संकेत आ रहे हैं!... उसको शैतान के सिर की चट्टान नजर आ गई है! चलो, पोल्का!

ग्रैंड कैनियन की खड़ी चट्टानों पर पर्वतारोही तक चढ़ने की हिम्मत नहीं करते! कहते हैं कि दुनिया की सबसे गहरी घाटी भी इसी इलाके में स्थित है-
चट्टानों की इस भूल भुलैया में कुछ भी ढूंढ पाना एकदम असंभव है! शायद इसीलिए ये आतंकवादियों के लिए स्वर्ग है!
जल्दी ही अपनी मंजिल के सामने था-
इन चट्टानों पर चढ़ पाना मेरे बस की बात नहीं है नागराज! मैं यहीं पर रुककर चारों तरफ नजर रखती हूं!
ठीक है पोल्का! वैसे भी हम दोनों का एक साथ जाना ठीक नहीं है!
चट्टानों से चिपककर सांप की तरह सरसराता नागराज-
ये रहीं शैतानों के आकार की सी चट्टानें! यानी आतंकवादियों का अड्डा यहीं कहीं पर होना चाहिए!
लेकिन यहां पर तो अजीब सी खामोशी है! जैसे यहां पर कोई रहता ही न हो!
कोई तो रहता ही होगा नागराज! वर्ना उड़ाका तुमको यहां का पता कैसे बताता! उसको इस जगह पर भारती को सिर्फ इसीलिए सौंपा गया था, ताकि अगर वह मुंह खोले तो यहीं का पता बोले!

जहां पर आतंकवादी नहीं, सिर्फ 'जोंक सर्प' रहता है जो अपने शिकार का खून पीकर उसको मार डालता है! और अब तेरा भी वही हाल होने वाला है! जो काम उड़ाका नहीं कर पाया, अब वह जोंक सर्प करेगा!
...और सुन! तुझे मुझसे सिर्फ पिटना है! कहीं तूने मुझे पीटकर बेहोश कर दिया तो मेरी लार से चिपकी वह विशाल चट्टान नीचे बंधी भारती पर लुढ़क पड़ेगी! क्योंकि मेरे होश खोते ही मेरी लार भी गलकर बह जाएगी!
मेरा खून पिएगा तो तू गलकर बह जाएगा, जोंक सर्प!

तू समझता है कि मैं बगैर तेरी शक्तियां जाने ही तुझसे भिड़ रहा हूं! लेकिन ऐसा नहीं है! मेरे माथे पर लगी यह मणि देख! ये दुनिया में अपने किस्म की एक अकेली मणि है! इसके सिर्फ स्पर्श करने से तीव्र से तीव्र जहर उतरना शुरू हो जाता है! जो भी विषैला रक्त मैं पीता हूं वह मेरे रक्त में मिलने से पहले इस मणि से होकर गुजरता है! और यह मणि उस विष को उतार देती है!

आSSS ह!

आSSS ह! मैं तेरे ये विषैले डंक ही तोड़ देता हूं! ताकि आज के बाद तू और किसी का खून न पी पाए!

संभलकर नागराज! संभलकर!

Amaan
अब देख नागराज कि मैं तेरा जहरीला खून कैसे गटागट पीता हूं!
नागराज को हमले का मौका ही नहीं मिला-
आssss ह! खून का दबाव तेजी से कम हो रहा है। दिल की धड़कन धीमी होती जा रही है।...
... आंखों के आगे अंधेरा छाता जा रहा है!
ये मौत का अंधेरा है नागराज! अब तू इस अंधेरे से कभी बाहर नहीं आएगा!
अब ये अंधेरा मेरी आंखों के बजाय तुम्हारी आंखों के आगे छाने वाला है! क्योंकि इस मणि के तुम्हारे सिर से हटने के बाद मेरा विषैला रक्त तुम्हारे शरीर को गलाना शुरू कर देगा!
ओह! यानी तू बेहोश होने की एक्टिंग कर रहा था! मेरी मणि छीनने के लिए! पर एक राज की बात बताऊं?
मैं चाहता ही था कि तू यही करे! जानता है क्यों? क्योंकि अब ये मणि तेरे हथेली में धंसती हुई तेरे शरीर के अंदर घुस जाएगी और तेरे जहर को काटकर पानी बनाने लगेगी! देख ले, देख ले!
आssss ह! ये... ये मैंने क्या किया?
अपनी मौत का सामान तूने खुद ही तैयार कर लिया है! अब विष की कमी से तू कमजोर होकर गिरेगा!...

अब तेरी कोई भी चाल तुझको बचा नहीं सकती! मेरी प्यास तो तेरा जरा सा खून पीकर ही बुझ गई है! अब समय है शैतान को तेरा खून पिलाने का! पहले की बलियों से खुश होकर शैतान ने मुझे वह विनाशक मणि दी थी!...
... अब तेरी बलि से खुश होकर वह न जाने मुझको क्या दे देगा!
ले अपनी बलि, शैतान!
पथरीले जबड़ों से नागराज के शरीर का स्पर्श होते ही-
जबड़े तेजी से बंद होने लगे-
आऽऽऽ! आऽऽऽ ह! मेरे शरीर में इन जबड़ों को बन्द होने से रोकने की ताकत नहीं बची है!
हटना पड़ेगा!
हटकर भी तू बचेगा नहीं नागराज! शैतान की जीभ तुझे धक्का देकर फिर से दांतों के नीचे ले आएगी!

जोंकसर्प का अंदाजा एकदम सही था-
हा हा हा! शैतान ने मेरी बलि कुबूल कर ली! अब इस नायाब बलि के लिए मुझे कोई न कोई नायाब उपहार ही मिलेगा!
दांतों के बाहर लटका हुआ नागराज का तड़पता हुआ दायां हाथ धीरे- धीरे निश्चल हो गया-
जरूर मिलेगा!
ओ! शैतान कुछ देगा! जरूर कोई बहुत बड़ी चीज है, क्योंकि खोपड़ी फट रही है!
और अंदर से...
न... नागराज! तू बचा कैसे?
तेरा विष तेरी ही शक्ति है! और उस शक्ति को तो विषनाशक मणि ने नष्ट कर दिया था! फिर तुममें शैतान की खोपड़ी तोड़ने की ताकत कैसे आ गई?
ये ऐसा रहस्य है जो मैं तुमको अभी बता नहीं सकता!

शैतान ने तेरी बलि लेने से इंकार कर दिया! शायद उसे तेरे खून का स्वाद अच्छा नहीं लगा! लेकिन मुझे तो तेरा खून पीना ही पड़ेगा! आतंकवादियों का ऐसा ही आदेश है! अब जिन्होंने मुझको खून पीने के लिए सैकड़ों मानव दिए हैं, उनका आदेश भला मैं कैसे टाल सकता हूं!
माफ करना भाई जोंका! फिलहाल मैं तुमको अपना खून ऑफर नहीं कर सकता! लेकिन कम से कम यह तो बता दो कि ये दानी आतंकवादी रहते कहां हैं?
वे जहां पर रहते हैं, वहां से रोज लाखों लोग गुजरते हैं! फिर भी उनको कोई देख नहीं पाता! और अगर कोई देख भी ले तो उन तक कोई पहुंच नहीं सकता! क्योंकि उनका घर तोड़ने की हिम्मत तो अमेरिकी सरकार तक में नहीं है!
इसलिए मुझे तुम्हारी जुबान दूसरी तरह से खुलवानी पड़ेगी!
तुमने तो सीधे-साधे जवाब की जलेबी बना दी!
लेकिन फिर भी सही जवाब नहीं दिया!
लेकिन उससे पहले मुझे भारती को आजाद कराना पड़ेगा...

नागराज अमेरिका में
और भारती को आजाद कराने के लिए तुमको बन्दी बनाना पड़ेगा। सर्प रस्सी की मदद से! अब इन सांपों का खून पीकर आजाद होने की कोशिश मत करना। क्योंकि इन सर्पों के अंदर भी मेरे जैसा ही विष है और तुम्हारे पास विषनाशक मणि नहीं है!
अब तुम इस कैद से आजाद होने की कोशिश करो और तब तक मैं भारती को आजाद करा लूँ।
तू अपने आपको बहुत चालाक समझ रहा है नागराज! लेकिन तूने एक बार फिर अपने आपको फंसा लिया है!
वो कैसे?
ले देख कैसे!
लार की वह तेज फुहार-
भारती के ऊपर थमी चट्टान के जोड़ पर लगी लार पर गिरी और वह लार गलनी शुरू हो गई-
और उसी के साथ-साथ वह विशाल चट्टान भारती के ऊपर लुढ़कनी शुरू हो गई-
ओह! भारती को खोलने से पहले मुझे इस चट्टान को रोकना होगा!

Amaan
हा हा हा! देखा नागराज! कैसे फंस गया तू चूहे की तरह! अब मैं तेरा खून पीऊंगा, और तू न मुझे हाथों से दूर भगा पाएगा, न पैरों से और नही इच्छाधारी कणों में बदलकर बच पाएगा!
नहीं जोंक सर्प! ऐसा मत करना! मेरा खून पीकर तुम गल जाओगे! उम्फ...
अब तेरे रक्त में विष कहां? विषनाशक मणि ने अब तक तेरे पूरे विष को नष्ट कर दिया होगा!
बस मुझको यह समझ में नहीं आ रहा है कि अब तक तेरे शरीर में इस विशाल चट्टान को उठाने की ताकत कैसे है?...आऽऽह! मेरा... मेरा शरीर सचमुच गलना शुरू हो गया है! पर कैसे? तेरे शरीर के विष को मणि ने अब तक नष्ट क्यों नहीं किया?

वह इसलिए क्योंकि मणि का असर अब मेरे रक्त तक पहुंच ही नहीं पा रहा है। दरअसल जब शैतान के पथरीले मुंह ने मुझको दबाया था तो मेरा दायां हाथ उसके दांतों के बीच में आ गया था!
वही हाथ जिसमें मणि घुसी हुई थी! हाथ दबने के कारण रक्त प्रवाह अवरुद्ध हो गया और मणि का असर मेरे बाकी शरीर में बहते रक्त तक नहीं पहुंच पाया!
मेरी शक्ति वापस आ गई। और मैंने शैतान की खोपड़ी को तोड़ दिया। फिर मैंने अपने दाएं बाजू को सर्प शिकंजे से कस लिया और इससे मणि का असर अभी भी मेरी कलाई से आगे नहीं बढ़ पाया है!
मेरे बाकी शरीर में अभी भी विष मौजूद है! इसीलिए मैं तुमको अपना खून पीने से रोक रहा था!
वो रहा नागराज! और साथ में एक आतंकवादी भी है! खत्म कर दो इसको!
अमेरिकी सेना की अचूक गोलाबारी ने जोंक सर्प को गलने से पहले ही मार डाला-
लेकिन साथ ही साथ कुछ रॉकेटों ने नागराज के कंधों पर थमी चट्टान को भी तोड़ दिया-

चट्टान के बड़े-बड़े टुकड़े भारती को साथ लेकर गहरी खाई में गिरते चले गए-
भारती!
मुझे भारती को बचाने जाना होगा! जाना ही होगा!
रुको, नागराज! यह क्या कर रहे हो?
भारती को अब कोई नहीं बचा सकता! ये खाई कई किलोमीटर गहरी है! और नीचे घुप्प अंधेरा है!
ओफ्फ! ये क्या हो गया? जिसको आजाद कराने के लिए मैं पूरी दुनिया में घूम रहा था, वह मेरी आँखों के सामने ही खत्म हो गई!
क्या जरूरत थी आपलोगों को चट्टान पर रॉकेट दागने की? किसने कहा था आपसे ये करने को?
यह मेरी गलती है नागराज! मैंने ही इनसे तुमको आजाद कराने को कहा था!

मुझे भारती नजर ही नहीं आई क्योंकि वह चट्टान के दूसरी तरफ बंधी हुई थी! मुझे लगा कि तुम चट्टान के बोझ के कारण इस सर्प से लड़ नहीं पा रहे हो!
लेकिन ये अमेरिकी सैनिक यहां तक पहुंचे कैसे?
सर! हमने पूरी गुफा छान मारी है! यहां पर इस गले हुए सांप के अलावा और कोई भी नहीं है!
एक भी आतंकवादी नहीं है! लेकिन नागराज ने तो यहीं पर आतंकवादी अड्डे की बात बताई थी!
इन्होंने मुझे 'हीटसेंसरों' की मदद से ढूंढ लिया था! और फिर मुझसे पूछताछ करके ये तुम तक आ गए!
मुझे भी यही पता था! मुझे खेद है कि आपका अभियान सफल नहीं हो सका!
खेद? तुम जानते हो कि इस अभियान के लिए हमको कितना खर्च करना पड़ा है! कितने बड़े पैमाने पर सैनिकों को बुलाना पड़ा है!
अब तो तुम्हारी बात पर भरोसा करने से पहले दस बार सोचना पड़ेगा! वापस चलो सैनिकों! ऑपरेशन डिसमिस!
आई...आई एम सो सॉरी नागराज! यह सब मेरी ही गलती से हुआ है! मैंने ही भारती की जान ली है!
और प्रायश्चित के तौर पर मैं भी यहीं से कूदकर अपनी जान दे दूंगी!
नहीं पोल्का! जो हुआ उसमें तुम्हारा नहीं, परिस्थितियों का दोष था!

Amaan
कुछ भी कहो, नागराज! अब भारती तो वापस नहीं आएगी न! हमारा पूरा अभियान असफल हो गया! अब तो मेरा मन वापस जाने को कर रहा है!
नहीं पोल्का! अभी तक हम भारती को ढूंढ़ने के बहाने आतंकवाद का नाश कर रहे थे!
लेकिन अब हम भारती की शहादत का बदला लेने के लिए आतंकवाद को खत्म करेंगे! अमेरिका से आतंकवाद का नाश होने से आतंकवाद की कमर ऐसे टूटेगी कि फिर दुबारा कभी नहीं उठेगी!
लेकिन अब हम आतंकवादियों के अड्डे को ढूंढ़ेंगे कैसे? इतने बड़े देश अमेरिका में हम उनके अड्डे को कहां-कहां ढूंढ़ते फिरेंगे?
अपने बड़बोलेपन के चक्कर में जोंक-सर्प मुझको कुछ हिंट्स दे गया है! उसने कहा था कि आतंकवादियों का अड्डा ऐसी जगह पर है...
... जहां से रोज़ लाखों लोग गुजरते हैं! और जिसको नष्ट करने से पहले अमेरिकी सरकार को सौ बार सोचना पड़ेगा!
तुम इस पहेली पर गौर करो! तब तक मैं अपने हाथ में धंसी विषनाशक मणि को बाहर निकाल लूं!
ओ! मैं समझ गई नागराज कि वह जगह कौन सी हो सकती है! लेकिन... लेकिन ऐसी सुरक्षित जगह पर आतंकवादी अपना अड्डा कैसे बना सकते हैं?
तुम किस जगह की बात कर रही हो पोल्का?

Amaan
"स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी की-"
"स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी! लेकिन वह तो कड़ी सुरक्षा के घेरे में रहती है पोल्का! भला वहां पर आतंकवादी अपना अड्डा कैसे बना सकते हैं-"
"जो आतंकवादी पूरी दुनिया में अपने अड्डे बना सकते हैं, उनके लिए सुरक्षा घेरे को भेदना कोई बड़ी बात नहीं है नागराज! मेरे ख्याल से जोंक सर्प इसी के बारे में हिंट्स दे रहा था-"
"अगर तुमको इतना पक्का भरोसा है तो इसकी जांच हमको खुद ही करनी होगी! अब अमेरिकी प्रशासन शायद मेरी बात का यकीन न करे! पर याद रखना, ऐसा हमको सुरक्षा घेरे को तोड़कर करना होगा! और ऐसा करके हम खुद एक अपराधी बन जाएंगे पोल्का!"
"आतंकवाद को नष्ट करने के लिए मैं यह खतरा उठाने के लिए तैयार हूं नागराज! चलो!"
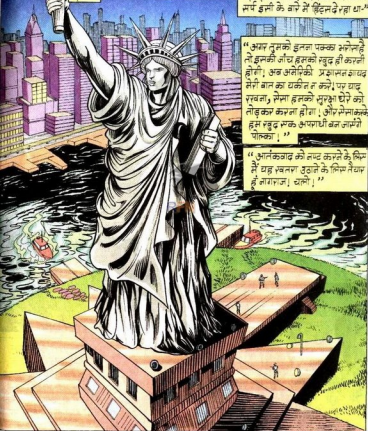
यहां पर तो पहरा वाकई काफी सख्त है नागराज! पर्यटकों के आने का समय खत्म होने के बाद पूरी मूर्ति को लेसर किरणों के जाल में ढक दिया गया है! अब तो शायद तुम इच्छाधारी शक्ति का प्रयोग करने के बावजूद भी अंदर नहीं घुस पाओगे!
लेकिन फिर भी मूर्ति के अंदर जाकर तुम्हारे शक की जांच तो करनी ही होगी पोल्का!
और अगर हम यहां से मूर्ति के अंदर नहीं जा सकते तो दूसरे रास्ते से जाएंगे!
पानी के नीचे से! आओ!
दोनों पानी के नीचे डुबकी लगा गए-
मेरे विशेष नागफनी सर्प इस द्वीप में से एक सुरंग खोद देंगे जो हमको सीधे मूर्ति के अंदर ही पहुंचा देगी!
और उम्मीद है कि मूर्ति के अंदर लेसर किरणों की सुरक्षा नहीं होगी!
जल्दी ही- नागराज और पोल्का मूर्ति के ढांचे के अंदर खड़े हुए थे-
यहां पर तो कोई सुरक्षा नजर नहीं आ रही है पोल्का! तुम आतंकवादियों का दिमाग मुझसे ज्यादा अच्छी तरह से समझती हो! अगर तुम आतंकवादी होती तो तुम कहां पर छुपती?

मैं अपना अड्डा ऊपर बनाती नागराज! जहां से मैं दूर-दूर तक नजर रख सकती! जहां से रेडियो सिग्नल भेजने में कोई दिक्कत नहीं होती। और अगर जरूरत पड़े तो वहां से भागना भी ज्यादा आसान होता!
ऊपर यानी मूर्ति का सिर! जो मूर्ति के आधार तल से लगभग तीस मीटर यानी सौ फीट की ऊंचाई पर है! आओ, उसको भी चेक करते हैं!
जल्दी ही-
ये है मूर्ति का सिर पोल्का! यह तो सिर्फ एक दस फुट चौड़ा कमरा है! जहां से पर्यटक दूर-दूर तक का दृश्य देख सकते हैं! इन खिड़कियों के द्वारा!
यहां पर तो किसी के रहने तक का कोई निशान नहीं है! यह जगह आतंकवादियों का अड्डा नहीं हो सकती!
एक मिनट नागराज! यह मूर्ति का सिर जरूर है लेकिन यह मूर्ति का सबसे ऊंचा स्थान नहीं है! मूर्ति का सबसे ऊंचा स्थान उसके हाथ में थमी हुई मशाल है!
लेकिन मशाल तक जाने का कोई रास्ता नहीं है, पोल्का!
ये दीवार तो सरक रही है!
यानी तुम्हारा शक ठीक था, पोल्का! यही जगह आतंकवादियों का अड्डा है! लेकिन इतनी सुरक्षित जगह में वे अपना अड्डा बनाने में सफल कैसे हो गए?
अगर कोई रास्ता होता तो वह इधर से होता! इस दीवार में से...
...अरे!
क्योंकि आज से लगभग अट्ठारह साल पहले मूर्ति की मशाल को बदला गया था! असली मशाल तो म्यूजियम में रखी हुई है!

Amaan
उसमें जब दुबारा नई मशाल लगाई जानी थी, तभी से हमारे नेटवर्क ने उस पर काम शुरू कर दिया था। वह मशाल हमारे संगठन द्वारा ही बनाई और लगाई गई थी। और उसमें हमने ऐसे यंत्र लगा रखे थे जो हमको मूर्ति के बाहर और मूर्ति के अंदर से मशाल तक आने और जाने की सुविधा प्रदान करते हैं।
और आपकी तारीफ ?
थोड़ी देर में तुम खुद ही करने लगोगे। क्योंकि मैं हूं मास्टर! इन आतंकवादियों का दिमाग!
यानी तुमको ठिकाने लगाने से इन आतंकवादियों का दिमाग भी ठिकाने लग जाएगा! बहुत अच्छा!

और भारती का पता भी मिल जाएगा!
भारती का पता? लेकिन भारती तो मर चुकी है!
ठनैंगा
नहीं पोल्का! जो 'ग्रैंड कैनियन' में गिरा था वह भारती का रोबोट था! पहले तो मैं भी धोखा खा गया था! लेकिन ऐन वक्त पर मैंने ध्यान दिया कि वह भारती हिल-डुल तो रही थी, लेकिन सांस नहीं ले रही थी!
फिर भी तुम उसको बचाने के लिए खाई में कूदने को तैयार थे?
वो नाटक था! क्योंकि मैं इन आतंकवादियों को यही दिखाना चाहता था कि इनकी चाल सफल हो गई है! ये चाहते थे कि मैं भारती को मरा हुआ मान लूं! और मैं वह नाटक करके यही दिखा रहा था! आऽऽऽह!
लेकिन अब जो मैं तेरे साथ करूंगा वह नाटक नहीं होगा,
असली होगा!
कड़ाक की आवाज के साथ हड्डी चटकने की आवाज गूंजी थी-
आऽऽऽह! अद्भुत शक्ति है इस में! इसने तो सचमुच मेरी हड्डी तोड़ दी है!
कड़ाक

वह इसलिए क्योंकि ये एक रोबॉट है नागराज! मेरा यंत्र इसके अंदर से आती 'विद्युत तरंगों' को महसूस कर रहा है!
तब तो काम आसान हो गया! अब मुझे इस पर घातक वार करने में भी कोई हिचक नहीं होगी! लेकिन जब तक मेरी हड्डी जुड़ नहीं जाती तब तक मुझे इससे जरा संभलकर लड़ना होगा!
तुझे संभलने का मौका नहीं मिलेगा, नागराज!
क्योंकि तेरे बचकाने वार मुझ पर कोई खरोंच तक नहीं डाल पाएंगे! और हड्डी टूटने के दर्द के कारण तू इच्छाधारी रूप में बदलने के लिए ध्यान भी केन्द्रित नहीं कर पाएगा!
आSSSह!
ओSSSह! इस झटके ने तो मेरी सारी शक्ति खींच ली है! अजीब सा वार था! जैसे इस ऊर्जा को खास मेरी ताकत नष्ट करने के लिए ही... बनाया गया है!... इसके पीछे किसी ऐसे शख्स का दिमाग है... जो मेरी शक्तियों के बारे में... अच्छी तरह से जानता है!
आ चल! इस रास्ते से मैं तुझे तेरी चिता तक ले चलूं! मूर्ति के हाथ में थमी जलती मशाल तक!
आSSSह!

देख ले नागराज! ये है हमारा मेन कंट्रोल रूम! यहीं से हम इस इलाके के आतंकवादियों को कंट्रोल करते हैं! इस वक्त तू मशाल के दहाने के ठीक बगल में पड़ा है!
और वे हैं मशाल की दहकती लपटें! तेरी और इस लड़की की चिता!
अरे! ये तू क्या कर रहा है? मशाल की दीवार को ध्वंसक सर्पों की मदद से तोड़ रहा है! मैं समझ गया कि तू नीचे तैनात सुरक्षा अधिकारियों का ध्यान खींचना चाहता है! लेकिन उससे कोई फायदा नहीं होगा! उनके आने से पहले ही तू राख हो चुका होगा! और हम यहां से जा चुके होंगे!
ये दीवार मैंने सैनिकों का ध्यान खींचने के लिए नहीं...
...बल्कि तुझको बाहर फेंकने के लिए तोड़ी है! न मेरे वार तुझको नुकसान पहुंचा सकते हैं और न ही मैं वार करने की हालत में हूं! लेकिन मूर्ति के चारों तरफ लेसर किरणों का जो जाल बिछा है...

कड़ड़ड़

वह तुमको गलाने के लिए काफी होगा।

आतंकवादी नागराज

इस यात्रा का अंतिम पड़ाव शीघ्र ही आपके सामने आने वाला है। इंतजार कीजिए और नागराज के लिए दुआ भी।

प्रोफेसर नागमणि ने नागराज को इसी रूप में दुनिया के सामने पेश किया था।–
–लेकिन बाबा गोरखनाथ ने नागराज को इस रूप से मुक्ति दिलाकर मानवता के रक्षक का रूप प्रदान किया था।–
–पर अब समय का चक्र फिर से पूरा घूम चुका है–
–पोल्का ने अपने कमांडर के साथ मिलकर नागराज को फिर से बना दिया है–
मूल्यः 20/-
फरवरी 2003 में उपलब्ध

आतंकवादी नागराज

क्या नागराज की यात्रा का यह अंतिम पड़ाव उसके सुपर हीरो जीवन का भी अंत होगा? दिल की धड़कनें चाहे मिस हो जाएं पर राज कॉमिक्स में नागराज का यह विशेषांक कभी मिस मत करना।